③ Analogus ~~colour~~ colour :→ ये वे रंग होते हैं जिसमें एक श्रेणी या जाति के रंग विद्यमान होते हैं। Ex:- पीला, पीला नारंगी, गोल्डन, नारंगी।

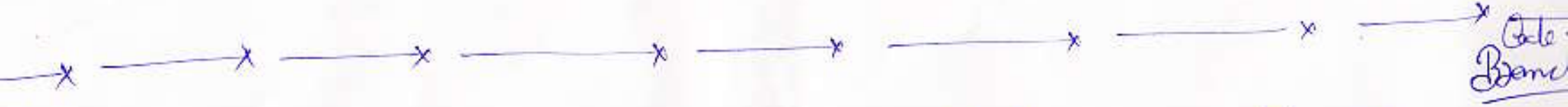

→x———x———x———x———x———x———x———x

Code - Teacher

Questions !-

① नापों की आवश्यकता क्यों होती है तथा नाप लेते समय किन - किन सावधानियों को ध्यान में रखना चाहिए → ⑤

②. रेखाओं के प्रभाव पर प्रकाश डालिए? → ⑤

③. रंगों का वर्गीकरण कीजिए ? → ⑤.

वस्तु नेत्रों द्वारा मस्तिष्क पर पड़ने वाला एक प्रभाव है।

रंगों का वर्गीकरण :- यह तीन प्रकार के होते हैं / अथवा इन्हें तीन भागों में बाँटा जा सकता है।

① Primary Colour :→ यह इस प्रकार के रंग हैं जो किसी मिश्रण द्वारा प्राप्त नहीं किए जा सकते हैं।
यह पूर्णतया शुद्ध होते हैं तथा इनका अपना अस्तित्व होता है।
जैसे :- लाल, पीला, नीला।

② Secondary Colour :→ किन्हीं दो मुख्य या प्रधान रंगों को मिलाने से जो रंग प्राप्त होता है यह द्वितिय रंगों की श्रेणी के अन्तर्गत आता है।
इसीप्रकार यदि किन्हीं द्वितियक रंगों को मिला दिया जाए तो विभिन्न रंगों की प्राप्ति हो सकती है।

Ex :- ① लाल + नीला → बैंगनी रंग
② लाल + पीला → नारंगी रंग
③ नीला + पीला → हरा रंग

Ans. ① नापों की आवश्यकता :- एक Designer को मनुष्य के कपड़े बनाने होते हैं, वह केवल आकृति को देखकर ही fit कपड़े नहीं बना सकता; इसलिए न आवश्यक हो जाता है :-

(i) वस्त्रों की सही cutting का आधार नाप होता है बिना नाप के वस्त्र की cutting नहीं की जा सकती है।

(ii) आधुनिक युग में पोशाकों की संख्या में वृद्धि हुई है, अतः प्रत्येक पोशाक के लिए अलग - अलग नाप लिए जाते हैं इसलिए भी नाप लेना आ है।

(iii) अच्छी fitting के लिए जब सभी नाप स्पष्ट रूप से लिए जाएंगे स्वाभाविक है कि cutting में कोई त्रुटि नहीं आएगी तथा जब cutting हीगी तो fitting भी अच्छी आएगी।

(iv) व्यक्ति की पसंद तथा पूर्ण संतुष्टि के वस्त्र भी तभी तैयार होंगे। अच्छी आएगी।

(v) समय की और श्रम की बचत भी तभी हो सकती है जब नाप, नाप पुस्तिका पर ठीक प्रकार से उतारे जायेंगे। तो वस्त्र की cutting में कोई परेशानी नहीं होगी तथा समय और श्रम की भी बचत होगी।

- नाप लेते समय सावधानियां / नापों के नियम :- प्रत्येक Designer को अपना टेलर नाप लेते समय निम्न सावधानियों को ध्यान में रखकर नाप लेना चाहिए जो इस प्रकार हैं :—

(i) नाप सदैव क्रमानुसार लेना चाहिए, जिससे सुविधा के साथ-२ कोई भी भूल न हो।

(ii) नाप लेते समय नाप देने वाले व्यक्ति के सामने नहीं खड़ा होना चाहिए बल्कि सदैव नाप देने वाले व्यक्ति के दायीं ओर खड़ा होकर नाप लेना चाहिए।

(iii) नाप लेते समय नाप देने वाले व्यक्ति को सीधा खड़ा होना चाहिए।

(iv) फैशन तथा पहनने वाले की इच्छा के अनुसार नाप लेना चाहिए। तथा पहनने वाले की रुचि तथा इच्छा को भी ध्यान में रखना चाहिए।

(v) ~~समय~~ नाप देने वाले व्यक्ति के शरीर पर कम से कम वस्त्र होने चा…

(vi) कुछ व्यक्ति नाप देते समय छाती, कमर, hip इत्यादि के नापो में शर्म… महसूस करते हैं तथा ठीक प्रकार नही देते; ऐसी अवस्था में नाप लेने… व्यक्ति को नाप देने वाले व्यक्ति से बातलाप करते - करते नाप लेना…

(vii) नाप लेते समय व्यक्ति से वस्त्र संबंधी बाते भी करनी चाहिए। ताकि सह… के साथ नाप लिया जा सके।

- नाप लेते समय मुख्य रूप से दो विधियों को काम में लेना चाहिए।

    (i) Direct Measurement System.

    (ii) Indiret Measurement system.

- Direct Measurement :→ इसमें प्रत्येक शरीर का सीधे प्रकार से नाप लिया… इसमें नाप लेने वाला तथा नाप देने वाला दोनो एक… आमने - सामने खड़े होते हैं। तथा व्यक्ति के परिधान ~~का~~ निर्माण… व्यक्ति के शरीर का Measurment सामने खड़े होकर किया जाता है। तथा नाप लेते समय C.P.G Inch tape का use किया जाता है।

Indirect Measurement :- कभी - कभी Designer के सामने ऐसी समस्या आ जाती है। जिस मनुष्य की पोशाक बनानी है वह मनुष्य उस व्यक्ति के नहीं आ सकता तथा उस व्यक्ति के लिए पोशाक बनाना भी जरूरी होता है। तभी Designer दो बातों का सहारा लेते हैं। (i) या तो उस व्यक्ति का वस्त्र जो पहले से बना हुआ या सीने का अनुमानित नाप। (ii) या किसी photo के द्वारा नाप लेकर

नाप का सहारा लेकर वस्त्र का निर्माण।

② रेखाओं का प्रभाव :->

रेखाएँ :-> एक रेखा का निर्माण सदैव 2 बिन्दुओं के मेल से किया जाता है। Dress Design में रेखाओं का प्रभाव व उनकी भूमिका बहुत अधिक है। किसी भी परिधान की shapes व Design सिर्फ रेखाओं के द्वारा ही बनाई जाती है।

Ex :- Side line, Neck line, shoulder line, Hip line e.t.c.

• रेखाओं ... line of 'V' shap...

(i) Vertical line (v) line of 'V' shap...
(ii) Horizontal line (vi) Broken line
(iii) Diagonal line (vii) Straight line.
(iv) Curve line

Vertical line :-

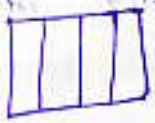

• यह रेखाएँ लम्बवत् रहती...
• इनके सहारे दृष्टि ऊ...
लम्बवत् रेखाएँ परिधान में ...
लम्बवत् रेखाओं का प्रभाव → गौरव , ...

Horizontal line :-

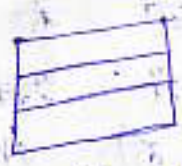

यह रेखाएँ लम्बवत...
यह मानसिक शान्ति...
में बैचेनी क...
में कलाकृति ...
दाएँ से बाएँ और गतिमा...

रेखा के नाम से इन lines को जाना जाता है।
ी रेखा है जो लम्बाई तथा चौड़ाई में एक स
- २ दूरी पर इनकी दिशा बदल जाया करती है।
चौड़ाई को कम करके दिखाने में सहायक होता है।

ी रेखा का रूप होती है। Drafting प्रक्रिया के
उपयोग मुख्य रूप से शामिल होता है।

रंगो का महत्वपूर्ण योगदान है। तथा संसार में
रंग लिए हुए है। वस्तुओं के धरातल में रंग
दिखाई देती है। धरातल पर प्रकाश की मात्रा
एक रंग की वस्तु अलग-अलग रंगो में
में रंग की व्यवस्था से लेकर बाग बगीचों
योजना में उसने अपना हस्तक्षेप किया है।
भावनाओं को प्रकट करने की शक्ति रखता है।
होता है। इसका कोई अस्तित्व नहीं है।

(vi) Broken line :-   अधूरी रेखा के नाम से इन lines को जाना जाता है। यह ऐसी रेखा है जो लम्बाई तथा चौड़ाई में एक स[मान] नहीं रखी जाती है। तथा कुछ - २ दूरी पर इनकी दिशा बदल जाया करती है। इसके विवेकपूर्ण उपयोग से चौड़ाई को कम करके दिखाने में सहायक होता है।

( ) Straight line :→ एक एक खड़ी रेखा का रूप होती है। Drafting प्रक्रिया के अन्तर्गत इसका उपयोग मुख्य रूप से शामिल होता है।

③ रंगों का वर्गीकरण →

रंग :- मानव जीवन में रंगों का महत्वपूर्ण योगदान है। तथा संसार में वस्तु कोई न कोई रंग लिए हुए है। वस्तुओं के धरातल में रंग होने के कारण ही वह दिखाई देती है। धरातल पर प्रकाश की मात्रा कम या अधिक होने पर एक रंग की वस्तु अलग - अलग रंगों में दिखाई देती है। कमरे में रंग की व्यवस्था से लेकर बाग बगीचों में फूल पौधों के रंग की योजना में उसने अपना हस्तक्षेप किया है। मानव की मानसिक भावनाओं को प्रकट करने की शक्ति रखता है। प्रकाश का एक गुण होता है। इसका कोई अस्तित्व नहीं है।